इंस्टीट्यूट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी
Institute of Horticulture Technology
Recognised by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Government of India.
ISO 9001 : 2008

समाचार

जनवरी
2018
वॉल्यूम 1 नं 1

निदेशक की कलम से

इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी – आई. एच. टी देश की एक मात्र ऐसी संस्था है, जिसने देश की विविध भाषाओं में बागवानी प्रशिक्षण देने में अभूतपूर्व योगदान दिया है. किसान, बागवान भाई, बहिन तथा युवावर्ग को अपनी गतिविधियों से जोड़े रखने के लिए संस्था ने आई. एच. टी समाचार को वर्ष–2018 से मासिक संस्करण के रूप में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है। हमे आशा है कि संस्था का इस वर्ष का पहला संस्करण हमारे पाठकों को न केवल उपयुक्त तकनीकी जानकारी दे पायेगा. अपितु संस्था की गतिविधियों से भी अवगत कराएगा. हमने इस वर्ष से अपने हर प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्टार ट्रेनीज के चयन का कार्यक्रम आरम्भ किया है जिससे प्रगतिशील किसान, अन्य किसान, बागवान व युवावर्ग स्टार ट्रेनीज से संपर्क कर उनके अनुभवों से लाभान्वित हो सके. हमारी संस्था का प्रयास रहेगा कि आधुनिक बागवानी का न केवल विस्तार हो अपितु यह कृषि में विविधिकरण लाये और किसानो की आमदनी को वास्तविक रूप से दोगुना करें।

निदेशक, आई.एच.टी

अमिरा कुमार कोहली

तत्काल निर्देश

टमाटर में इल्ली (हेलिकोवर्पा) के प्रकोप से बचने के लिए गेंदे की अंतरफसल 16 टमाटर व 1 गेंदे की पंक्ति के अनुपात में लगायें

जनवरी
2018
वॉल्यूम 1 नं 1

आई.एच.टी के मुख्य परिसर, ग्रेटर नोएडा, जनवरी, 2018 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा के प्रशिक्षको द्वारा आंध्र प्रदेश के अमरावती डेवलपमेंट कारपोरेशन के फील्ड अधिकारियों को "**आधुनिक उद्यानिकी नर्सरी उत्पादन तकनीकियाँ**" नामक विषय में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस के अतिरिक्त संस्थान के प्रशिक्षको द्वारा उत्तराखंड के किसानों को "आधुनिक उद्यानिकी उत्पादन तकनीकियाँ" नामक विषय पर भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ट्रेनिंग के दौरान विभिन्न विषयों जैसे कि सब्जियों का प्लग ट्रे नर्सरी उत्पादन, गुणवत्ता युक्त पौध, संरक्षित संरचनाओ का परिचय, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, उन्नत नर्सरी उत्पादन, सघन खेती, नर्सरी के विभिन्न रोगों एवं कीटों से बचाव तथा एकीकृत कीट प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया. जनवरी माह के दौरान ही तमिलनाडु के किसानो को भी "उच्च उद्यानिकी उत्पादन तकनीकी विशेषत: टपक सिंचाई एवं उर्वरक प्रणाली" नामक विषय पर ट्रेनिंग दी गयी।

जनवरी, 2018 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची

कमांक	राज्य	कार्यकम	दिनांक
1	आंध्र प्रदेश	प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास	8 जनवरी –12 जनवरी
2	उत्तराखंड	प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास	15 जनवरी –17 जनवरी
3	तमिलनाडु	प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास	29 जनवरी –2 फरवरी
4	प्राइवेट कैंडिडेट–1	प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास	16 अक्टूबर –15 जनवरी
5	प्राइवेट कैंडिडेट–2	प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास	20 नवम्बर –19 फरवरी
6	प्राइवेट कैंडिडेट–3	प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास	12 जनवरी –14 अप्रैल

व्याख्यान एवं वार्ता में भाग लेते हुए आंध्र प्रदेश के अमरावती डेवलपमेंट कारपोरेशन के उद्यानिकी अधिकारी व उत्तराखंड एवं तमिलनाडु के किसान

आंध्र प्रदेश के फील्ड अधिकारी स्वस्थ नर्सरी के उत्पादन पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

आंध्र प्रदेश के फील्ड अधिकारी प्रवर्धन तकनीकी के बारे जानकारी लेते हुए

तत्काल निर्देश

फसल को एफिड एवं थ्रिप्स से बचाए रखने के लिए पीली एवं नीली स्टिकी ट्रैप का प्रयोग करें

जनवरी
2018
वॉल्यूम 1 नं 1

उत्तराखंड के किसान कैनोपी प्रबंधन पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

उत्तराखंड के किसान एकीकृत कीट प्रबंधन पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

तमिलनाडु के किसान स्वस्थ नर्सरी के उत्पादन पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

तमिलनाडु के किसानो के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

आंध्र प्रदेश के अमरावती डेवलपमेंट कारपोरेशन के फील्ड अधिकारी व शिक्षक मंडल आई.एच.टी के प्रांगण में एक समूह चित्र में

तमिलनाडु के किसान वर्मीकम्पोस्टिंग यूनिट का प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

उत्तराखंड के किसान व शिक्षक मंडल इन्स्टीट्यूट ऑफ होर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी के प्रांगण में एक समूह चित्र में

तमिलनाडु के किसान व शिक्षक मंडल इन्स्टीट्यूट ऑफ होर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी के प्रांगण में एक समह चित्र में

तत्काल निर्देश

फलों में फल मक्खी (फ्रूट फ्लाई) के प्रकोप से बचने के लिए मिथाइल यूजिनॉल ट्रैप (फेरोमोन ट्रैप) का प्रयोग करें

जनवरी
2018
वॉल्यूम 1 नं 1

आई.एच.टी द्वारा संरक्षित खेती पर तीन माह का प्रशिक्षण प्रारंभ

आई.एच.टी द्वारा संरक्षित खेती पर तीन माह का कोर्स प्रारंभ किया गया, जिसमे अभी तक 6 युवा प्रतिभाग कर चुके है. आई.एच.टी के प्रशिक्षको द्वारा संरक्षित खेती सम्बंधित विभिन्न विषयों जैसे कि सब्जियों का प्लग ट्रे नर्सरी उत्पादन, बीज सम्बंधित जानकारी, पोषक तत्वों की जानकारी, मृदा जांच, मृदा के पी. एच सम्बन्धी ज्ञान, वर्मीकम्पोस्टिंग, संरक्षित संरचनाओ का परिचय, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, उन्नत नर्सरी उत्पादन, सघन खेती, नर्सरी के विभिन्न रोगों एवं कीटों की पहचान एवं उनसे बचाव, एकीकृत रोग प्रबंधन एवं एकीकृत कीट प्रबंधन पर प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

तीन माह के प्रशिक्षनार्थी टमाटर, शिमला मिर्च और खीरा के ग्रीनहाउस उत्पादन पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी के टेक्नोलॉजी पार्क में स्कूली बच्चों का भ्रमण

डी.एल.एफ, ग्रेटर नॉएडा के स्कूली बच्चे
कृषि सम्बन्धी ज्ञान अर्जित करते हुए

कैंब्रिज स्कूल, ग्रेटर नॉएडा के बच्चे
कृषि सम्बन्धी ज्ञान अर्जित करते हुए

तत्काल निर्देश

ग्लेडियोलस के स्पाईक्स पर फूल खिलने से पहले विपणन का प्रबंधन करें

जनवरी
2018
वॉल्यूम 1 नं 1

आइ.एच.टी द्वारा "कृषक क्षेत्रों में आर्किड की व्यवसायिक उत्पादन तकनीकियाँ" पर प्रशिक्षण

इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी द्वारा "कृषक क्षेत्रों में आर्किड की व्यवसायिक उत्पादन तकनीकियाँ" नामक विषय पर जनवरी माह में, उत्तर– पूर्वी क्षेत्र, मणिपुर में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण कृषको द्वारा अच्छे से ग्रहण किया गया और ये भविष्य में व्यवसायियों के लिए आर्किड के व्यवसायिक उत्पादन में लाभदायक होगा। इंस्टिट्यूट का प्रयास है की समय समय पर आर्किड सम्बन्धी प्रशिक्षण दिए जाएँ ताकि आर्किड उत्तर– पूर्वी क्षेत्र व मणिपुर में एक व्यवसायिक फसल बन सके।

आइ.एच.टी द्वारा मणिपुर में आर्किड के व्यावसायिक उत्पादन पर दिए गए प्रशिक्षण के कुछ दृश्य

तत्काल निर्देश

ध्यान रहे कि खरपतवार में बीज न बन पायें.

जनवरी
2018
वॉल्यूम 1 नं 1

आइ.एच.टी द्वारा गुवाहाटी में "हाइब्रिड आर्किड कट फ्लावर प्रोडक्शन" पर प्रशिक्षण

इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी द्वारा "हाइब्रिड आर्किड कट फ्लावर प्रोडक्शन" नामक विषय पर जनवरी माह में, उत्तर– पूर्वी क्षेत्र, गुवाहाटी में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

आइ.एच.टी द्वारा गुवाहाटी में हाइब्रिड आर्किड के उत्पादन पर दिए गए प्रशिक्षण के कुछ दृश्य

तत्काल निर्देश

कद्दू प्रजाति की सब्जियों को बीजने का अब उपयुक्त समय है

जनवरी
2018
वॉल्यूम 1 नं 1

इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी द्वारा स्टार ट्रेनीज का चयन

आई. एच. टी द्वारा जनवरी, 2018 से स्टार ट्रेनीज के चयन का नया प्रोग्राम प्रारंभ किया गया, जिसमे आई. एच. टी ट्रेनिंग के दौरान कुछ स्टार ट्रेनीज को चयनित किया जायेगा ताकि ट्रेनिंग के बाद भी हम स्टार ट्रेनीज से संपर्क कर सके एवं उनके अनुभव का लाभ उठा सके तथा समय–समय पर आई.एच.टी के अपने अनुभव देश के अन्य किसानो के साथ साझा करे। इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर द्वारा तमिलनाडु बैच के तीन उन्नत किसानो को सम्मानित किया गया. जिनके नाम एवं उनके द्वारा दिए गए प्रतिपुष्टि पत्र निम्न प्रकार से है –

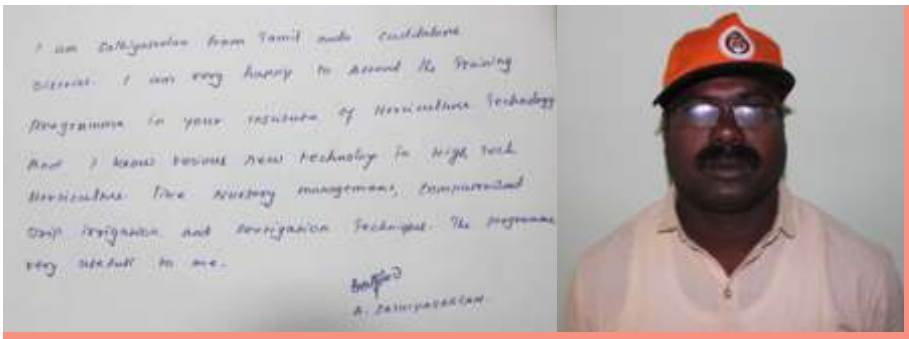

तमिलनाडु प्रथम बैच के स्टार प्रशिक्षनार्थी, श्री ए. सथियासीलन, कुड्डालोर,तमिलनाडु

श्री ए. सथियासीलन, बी.एस.सी एग्रीकल्चर, जो कि 2 एकड़ पर केले की खेती एवं 1/2 एकड़ पर सब्जियों की खेती कर रहे है

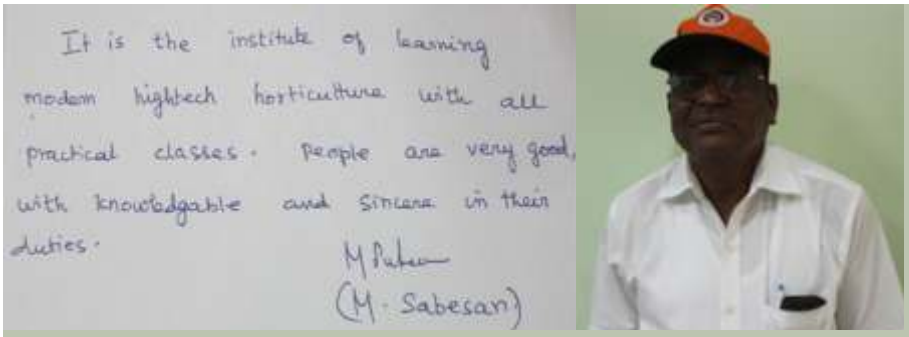

तमिलनाडु प्रथम बैच के स्टार प्रशिक्षनार्थी, श्री एम .सबेसन, कुड्डालोर,तमिलनाडु

एम. सबेसन, जो कि अन्नामलाई यूनिवर्सिटी के डीन व प्रोफेसर के पद पर है व 15 एकड़ पर खेती कर रहे है

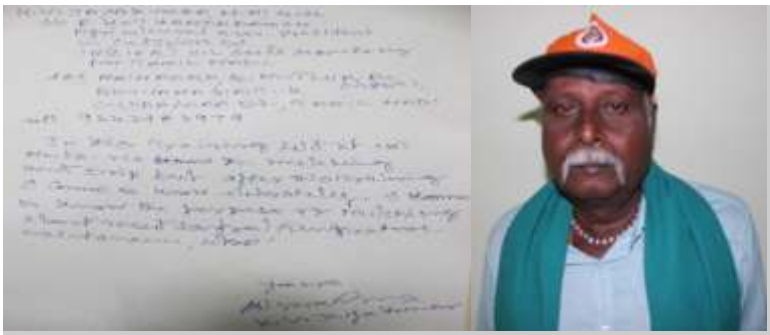

तमिलनाडु प्रथम बैच के स्टार प्रशिक्षनार्थी, श्री के. विजयकुमार, कुड्डालोर,तमिलनाडु

के. विजयकुमार, एम. ए. फिलोसोफी से है, जो कि पिछले 45 सालों से खेती कर रहे है

तत्काल निर्देश

अमरुद में अम्बे बहार पुष्पन को रोकने के लिए सिंचाई में अवरोधन द्वारा पुष्पों को रोका जा सकता है

जनवरी
2018
वॉल्यूम 1 नं 1

ISO 9001 : 2008

इंस्टीट्यूट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी
Institute of Horticulture Technology

Recognised by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Government of India.

D-1, Krishna Apra Building, 3rd Floor
Alpha Commercial Belt, Alpha-1, Greater Noida – 201308, Delhi NCR region, India
Telephone: 011- 46604988
website: www.iht.edu.in
Email: enquiry@iht.edu.in, training@iht.edu.in